

दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश में प्रसारित हरियाणा का हिन्दी दैनिक

सत्यजय टाईम्स



वर्ष-12, अंक-73 वीरवार 16 मार्च, 2023, पृष्ठ 8, मूल्य 2 रुपये (फरीदाबाद से प्रकाशित) प्राप्त: कालीन संस्करण

हिन्दी दैनिक

RNI NO HARHIN/2012/43543 Ph. 0129- 4042533, Email: sjtfaridabad@gmail.com @SatyajayT satyajaytimes

अग्रवाल कॉलेज में सर्टिफिकेट कोर्स ऑन परस्यूट ऑफ हैपीनेस का शुभारंभ

बल्लभगढ़, 15 मार्च, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोड़ा। अग्रवाल कॉलेज में सेंटर ऑफ होलिस्टिक वेलबीइंग एंड सोलफुल वेलनेस द्वारा परस्यूट ऑफ हैपीनेस विषय पर एक नया सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया गया। सर्टिफिकेट कोर्स साइंस ऑफ हैपीनेस के सहयोग से चलाया जाएगा।

कक्षाएं विज्ञान के खुशी के जीवन कोच महेश बजाज द्वारा ली जाएंगी।

उद्घाटन समारोह में, उन्होंने पाट्यक्रम के बारे में कुछ जानकारी दी। पाट्यक्रम को प्रतिभागियों को एक खुशहाल और अधिक पूर्ण जीवन जीने के लिए आवश्यक उपकरण और ज्ञान प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। ईश कुमार कोहली ने एक प्रेरक वक्ता होने के नाते, सकारात्मकता और खुशी लाने के लिए साइंस ऑफ हैपीनेस के माध्यम से कार्यशाला आयोजित करने के लिए महेश कुमार के साथ शामिल हुए। वह पिछले 12 वर्षों से उनके कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। उन्होंने पाट्यक्रम की सामग्री के बारे में चर्चा की



ऑन परस्यूट ऑफ हैपीनेस कोर्स के शुभारंभ को लेकर आयोजित सेमीनार में अपने व्याख्यान देते वक्ता।

छाया: सत्यजय टाईम्स/पुष्पा अग्रवाल।

जिसमें कई विषयों को शामिल किया गया है। अंतर्टीष्ट साझा करने का अवसर भी जीएगा, जिसमें खुशी का विज्ञान, खुशी में रिश्तों की भूमिका, और एक खुशहाल जीवन प्राप्त करने में कृतज्ञता और ध्यान का महत्व शामिल है।

पाट्यक्रम में भाग लेने वालों को सकारात्मक मनोविज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी विशेषज्ञों से सीखने का अवसर मिलेगा, जो व्याख्यान, चर्चा और इंटरैक्टिव अध्यासीं की एक श्रृंखला के माध्यम से अपने ज्ञान और विशेषज्ञता को साझा करेंगे। उनके पास अन्य समान विचारधारा वाले व्यक्तियों के साथ जुड़ने के जीवन में एक वास्तविक अंतर लाने और अपने स्वयं के अनुभव और

प्रदान करके उन्हें खुश, संतुष्ट और सार्थक जीवन जीने की आवश्यकता है।" हैपीनेस कोर्स की खोज कॉलेज में सबसे लोकप्रिय पेशकशों में से एक है, जिसमें भावी प्रतिभागियों की उच्च स्तर की रुचि है। यह उमीद की जाती है कि आने वाले वर्षों में पाट्यक्रम की लोकप्रियता में बढ़ जारी रहेगी, क्योंकि अधिक से अधिक लोग अपने जीवन में अधिक से अधिक खुशी और तृप्ति पाने की तलाश में हैं। यह व्यक्तियों को आत्मनिर्भर भी बनाएगा और उनके सीधी को मजबूत करेगा। उदघाटन समारे 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

6